

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धृतराष्ट्र उवाच ॥ धर्मं कुरु कुरु कुरु
सप्तदशतमं ययुस्स व ॥ ३ ॥ सामका ॥ ४ ॥ पाण्डुवा ॥ श्वेव ॥ किमकुरुते न स ज्ञेयः ॥
॥ १ ॥ सजय उवाच ॥ इ ॥ धृतराष्ट्र उवाच ॥ अर्द्धद्वयो धनं
दा ॥ अत्र यथा सुयसि ॥ २ ॥ ययुः ॥
तां पाण्डुपुत्राणां मां चामि मरुती च मरुतबुधो यदयं नृप ॥ तव शिष्य
लब्धो मता ॥ ३ ॥ अत्र नृप मरुतबुधो यदयं नृप ॥ तव शिष्य
लब्धो मता ॥ ३ ॥ अत्र नृप मरुतबुधो यदयं नृप ॥ तव शिष्य

नादिवाट ४ दुपदस्य महावध ४॥ ४॥ पृष्ठ कंठस्थ कि तान ४ काशिवाजस्थ दी
 यवान् ४ पूर्व जिह्वे कि ता ४ अश्वि ४ वृश्चि नव पू ग व ४॥ ५॥ युष्मा म न्यु स्थ वि
 के न उरु सी जा अ वी ज वा न ४ सोरुद्रो य द या अ सर्व प्रव म हाव ध
 ४॥ ७॥ अस्मा की उ वि जिष्ठा ये तात्रि वा पे द्वि जा रु म म ४ नाय काम
 म से न्य स र्ग र्थ गात्र वी मि न ४ १॥ स से न्य म रु नी सर्व शि न वा ४ सुव स
 म नो ४ रु वा रुी अ स्थ क र्ण स्थ रु य म्य समिति ज्ञे य ४ ७॥ अस्थ स्का मा विः

कर्णस्थ सोमदक्षि सुवेव व ४ अ न्य व व रु व ४ नू वामदर्थ त्य क जी वि ना ४॥ ८॥
 ना ना ग म् पु रु व ल ४ सर्व यू द्र वि जा व दा ४ अ य र्थी र्थ न द स्मा की व ल ती षा
 रु व कि र्ण ४ १०॥ य या र्थ वि द म न षा व ल ती मा हि न कि र्ण ४ अ य न षू
 पू व सर्व ४ अ य थ ता ग म व हि ता ४ ११॥ ती षू मे वा ति व रु रु रु व न
 ४ सर्व प्रव हि ४ न स्य स ज्ञे य रु र्थ क रू व रु द्र ४ पि ता म रु ४ १२॥ सि रु ना र्द वि न द्यो
 रु ४ र्ण र्थ द ४ प्रो पु ता प वा न् ४ न न ४ र्ण र्थ स्थ र्थ स्थ य न वा न क ४ म मू र्वा ४ १३॥

समुद्रमंथनात्पुनस्तानवत्कुरुते यत्तु तस्य सागता ॥ २३ ॥ चालेवा सुस्य
दुर्वृद्धं यद्विषयविकीर्णं वदन् सज्जयत वाचं च नवमूको हृषीकेशो भूत
कलानेतावत ॥ २४ ॥ स न
१ श्री कृष्णोत्पत्तिमूर्त्युत ॥ सर्वं
श्रीतामसं वनाकुरुनिति ॥ तत्राप्यन्यं नित्यं नान्यार्थं विदुः न पवितामहा
तु ॥ २५ ॥ आचार्यो मातुलाकुलं न्यूना श्रीगामासी सुधा ॥ २६ ॥ सुद

दशैव स्यात्तु ह्यारपि ॥ २७ ॥ तान्मयी कस्य को नैव ॥ सर्वो न्यूना वक्तिता
न कस्योपवयावि ॥ २८ ॥ विद्यादन्विदमवुषीत ॥ २९ ॥ अकुरुत वाचं
हेतुं सैव जनं कुरुयुम्
लिमुखं वदन्विदुः सति
जयतं नाना विदुः स नैव रुक्मा त्वं वदन् विदुः न ॥ ३० ॥ नवमूको म्य
वत्कुरुते मनीवदन् मनः ॥ निमित्तं निवपन्मि विपरीतानि कस

४॥ ३१॥ नववलाया नू पया मि. रुखा खजन माहव ॥ न कांकि विजय कृ
 नवववा र्श सुखा निव ॥ ३२॥ कि नो वा सु नला विद कि सु। ने की वि न
 नवा ५ थ मा म प को कि न
 सुव कि ना यू दु या ला लु लु
 ये व व पि ना म हा ॥ ३३॥ मा उ ला ॥ म सु व ॥ यो ग्रा ॥ म्या ला ॥ सु न चिन
 रु धा न ॥ न ग न रु रु मि ॥ क। मि. यु ना पि म पू सु द न ॥ ३४॥ अ पि रै ला

क ना रु स्य रु ना ॥ कि नु म ही रु न ॥ नि रु लै लु का रु वा रु न ॥ का पी नि ॥
 ला रु ना द न ॥ ३५॥ पा य म वा ग्र य द ला च रै ना ना न ता यिन ॥ न त्या
 ना हा द य रु रु का रु ना
 प रु ला सु नि न ॥ स्या म
 रु न व न स ॥ ३६॥ कृ ल रु य रु न दा र्श मि रु दा रु व पा न क ॥ क प न
 रु य म सा रि ॥ पा पा द ला नि व लि रु ॥ ३७॥ कृ ल रु य रु न दा र्श पु य म

दिर्जनादन कलकयपुनम्वनि कलवर्मसमा ना नना ॥४०॥ वमान
 कललकलसुमधमरिहवात्युने ॥ ४१ ॥ वर्मरिहवात्युने ॥ ४१ ॥ वर्मरिहवात्युने ॥ ४१ ॥
 मिय ॥ ४१ ॥ मिय ॥ ४१ ॥ मिय ॥ ४१ ॥ मिय ॥ ४१ ॥ मिय ॥ ४१ ॥
 सकवानवकायेव कलद्यु कलस्यव ॥ ४२ ॥ यनकि विनयो द्युवा
 लुफपि ॥ ४३ ॥ दककि या ॥ ४३ ॥ दककि या ॥ ४३ ॥ दककि या ॥ ४३ ॥ दककि या ॥ ४३ ॥
 ४३ ॥ उत्साद्यनैजानिधमो ॥ ४३ ॥ उत्साद्यनैजानिधमो ॥ ४३ ॥ उत्साद्यनैजानिधमो ॥ ४३ ॥

मयभाधना ॥ ४४ ॥ उत्साद्यनैजानिधमो ॥ ४४ ॥ उत्साद्यनैजानिधमो ॥ ४४ ॥ उत्साद्यनैजानिधमो ॥ ४४ ॥
 सारवनीत्यनुधुमम ॥ ४५ ॥ अरुवत सरुत्यापि कलुलेखने व्यवसिगावय
 ॥ ४५ ॥ यदाय सुखेलारु न हिलेखन मूद्य गा ॥ ४५ ॥ यदाय सुखेलारु न हिलेखन मूद्य गा ॥ ४५ ॥
 पुनीकार मगम ॥ ४६ ॥ पालय ॥ ४६ ॥ पालय ॥ ४६ ॥ पालय ॥ ४६ ॥ पालय ॥ ४६ ॥
 सुभाकेमनैव रुवेन ॥ ४७ ॥ सजयउवार ॥ ४७ ॥ सजयउवार ॥ ४७ ॥ सजयउवार ॥ ४७ ॥
 यथायसु द्याविग्न ॥ ४८ ॥ विसृष्ट सगनयाप ॥ ४८ ॥ विसृष्ट सगनयाप ॥ ४८ ॥ विसृष्ट सगनयाप ॥ ४८ ॥

॥५॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुपनिषत्सु ब्रह्मात्मिका यो ग सा मुक्ती ॥
 कृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ अहं न विद्या दा भामि प्रथमोऽहम् ॥
 यन्मा ॥ ॐ ॥

युवनामस्मि नाम ॥ १ ॥ मुरु नाम ॥ २ ॥ बाणा म कनं ध्यांस्मि ॥ ३ ॥ न सा मास्मि ना कवी ॥
 ॥ ४ ॥ संगो लो मदिन कृष्ण मध्यं च वह मई न ॥ ५ ॥ अथास्मि विद्या विद्या ना वाद ॥ ६ ॥
 वद नाम ॥ ७ ॥ ३२ ॥ मुरुना लो म का वास्मि ॥ ३३ ॥ सामासिक त्य च ॥ ३४ ॥ म वा क
 ॥ ३५ ॥ कालो भ ना ह विद्या ना ॥ ३६ ॥ मुरु ॥ ३७ ॥ सर्व ह व ध्यांस्मि ॥ ३८ ॥
 कुरु व ध्य रु म विद्या ना ना की ॥ ३९ ॥ लो वा क ना ना ना ॥ ४० ॥ निर्म वि धु नि ॥ ४१ ॥
 मा ॥ ४२ ॥ ३४ ॥ व ह सा म रु ॥ ४३ ॥ अ सा मा म य नी कुरु सा म रु ॥ ४४ ॥ मा सा ना
 मा र्ग ना ध्यांस्मि ॥ ४५ ॥ ना तु ना कुरु सा क न ॥ ४६ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥
 स्मि का व न ॥ ४१ ॥ सर्व वा कृष्ण ना ना ना ॥ ४२ ॥ ह हा हा पु न न न ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥
 य ना म स्मि ॥ ४७ ॥ रु न रु न स्मि ना म रु ॥ ४८ ॥ अ या स्मि य व सा या स्मि स र्थ स र्व व ना म रु

॥ ३१ ॥ वृद्धि वासुदेवास्मि याजुर्वाना धनं रुय भूमनीनामथाहं यासु ४ कवी
नामृगनाकवि ॥ ३२ ॥ दत्ता दमयतामस्मि नानि वस्मिन्निगार्यतामस्मि नवैवास्मि
उक्ता नानि नानि वनामसह ॥ ३३ ॥ यथापि सर्वे नाना वीर्यं न दुरु मई
न न न दस्मि विनायत्स्यात्मा या रुतं वना यन ॥ ४० ॥ नाना कलि मम दि
थाना यन नय ॥ ४१ ॥ वृद्धि
यद्यद्वि रुति मत्सर्वं श्री
मम न कृत्वा सर्वं रुवे ॥ ४२ ॥ अथ वा व दूनं न न किं न न न वा इति न विष्ट
था रु मि दं कृत्वा मका ॥ ४३ ॥ नाना कलि मम दि
सुयनि व वत्स वेद विद्या या या गगनां श्री कृष्ण इति सर्वं वा दं हि म पद्विनि
वि रुति या ॥ ४४ ॥ नाना म दगमा याय ॥ ४५ ॥



ॐ नमो नाना यो यः ॥ जगन्नाथाय नमः ॥ बुद्धास्तु दक्षादि सवीला क कंदा
स्व पूषस मे मिखावण्यस दादग वाधिक यरु लोन कादि सवीला कस्तु
यरु जगन्नाथ यादव नदा शु धव न स या स स मिश्र नाम द वर्य
सूत धय रू स व या व स वी ला कस्तु जून क स को व या दा व ज
सन स न या व नाना कथा बुद्धादि या दा व हृष्टि आदि न या क
था विरू स क था आदि न या ल ० व ली म द व ली सूत न हृष्टि आदि
न या क था कं दा व जगन्नाथ यो यो न जगन्नाथ नाना यो यो स व

द्रा यस्तु व दान वा क व या क व जगन्नाथ वर्य यव था ला व बुद्धाथ गुरवा
हृष्टि कस्तु धय न ० डी सी य व र्क जगन्नाथ विरू स या आव ज न मु यरु
य व र्क न सम द य वा न न व उ न य कं था दा ० मा कं धु य व दान वा कं थो
भव या व महा विरू जा य न पनं धु वि जा धय न मु यरु नो मिश्रानि
ना भय ना व य व र्क धय विरू न या मा कं धु य न दः ख मा र्क
य क व मिश्र जा य न य न आव या र्क व ना म द धय व र्क म स क न व था या
य व र्क ना व या य धय न वा न दा व हृष्टि आदि न या क न व था य कं स न सान

८ विरुर्न सावयाव भवन्म वठु क रर्वर्न महाविष्णव जलनर्थदा
 यावर्थां वठया सायास सवर्ण क वामर्थां वठु क रर्वर्न सनाह
 वरवाटा सवर्णमय विष्ट कर्मानि निमानियादतया वठु वठु
 विरुमादिन स्वविमया वठया घट्टवाजादिन वठवादिन उ
 विरुमादिन स्वविमया वठया घट्टवाजादिन वठवादिन उ
 यादतया नाना अष्टयैर्वर्न भयादवन् वठु वलं क रर्वर्न नृयै
 विष्टायन जनसंयुक्त भवन् जन जा काल्यमानयाद वधो य वठु वठु

भा यवभेष्टवया भोथास मा कुरुयुयसुवी अद्वय ॥ ॥ ॐ या
 दिव्यकर्मवा ॥ ॥ मा कुरुयुय पुन यदगर्न ॥ ॥ ॥ ॐ मुनि यरुमा प्रीति
 कर्म उदवस मा कुरुयुय य मुनि दूहायाव गदुमि वीन का मा
 ममकर्म वरर्वर्न न गव ध मयूक याद वाग्य लव धा मा ग
 व १ ॐ क मा गव २ सुवा सा गव ३ सुधि सा गव ४ क धि स मरु ५ क र्वम
 मरु ६ जल स मरु ७ भ स क स मरु ८ रर्वर्न उ मरु ९ व १ प्र क की य २ गी ल

लीहीय ३ कृगहीय ४ क्रीवहीय ५ गाक हीय ६ पृक वहीय ७ सुक हीय
८ र्वीन सावमादि नववर्क र्वीन मर्व सव वलायु काधन पर्व नाना
वन नर्मय क था था ना नायुकाव कंदनादि उत्तम साक
ऊँय जाति नाना सुगादि नाखा सुगादि सिंह वनाह नाहल
गग गवय नाना साही अ नक र्वीन पृथीसद को गीथं ग्राम
दाकाव नगवदाकाव कृषि (गाव कृ कादि कुन वानिष्ठ कव विदुय
१००० कादि दवगर्ह अन्य कवगर्ह गीवर्ह अष्टना यक पवि देव

दानव नाग रुहिजा सिंदिकाननयादि दवयागरु दाकाव सुवन ऊ
गर्म धलाक गुलि र्वीन धनव कृकि सुर्वीन अर्भक र्वीका याव कृय व
का पुसदकाव वनावन कृलीका सुवलीक २ सुलीक ३ मरुली
क १ उनलीक २ तयलीक ३ मयलीक ४ अनल विगल पागल
सगत निगल तलाक ल वसातल गुन बुका पुसदार्ध धन
व कृषम उदव सदात रुहिजा लमा धमा कृषुयम विरुत्राकि सदात
सुगिलायमदात यवम धनवायु सादन धन कृकि सयुमवयव धिथी

१ प्रपृथ्वीमं प्रमनये ह्याव अनममनं ध्या अनममव धनं अननध
कं नाम हनं धृष्टि जा नव धा नव विव धवमक धनः नव धा नव या न धन
नव धा या का व विष्णु मयि वा धन विष्णु य का व विष्णु मयि न ॥ ॥
ॐ यादि वधु यना धी मा क धु य पुल य द न न नाम ॥ १० ॥
बुध वाव धृष्टि जा ध ध मा क धु य दा वाल क या का धा न धि
हा व या व उला ह व या दा व धी प्र मा व हु ना व म धा हु व र्द हा वाल क हु
मध व र्द न अनन मूर्ति वट वृ क या ना खा म उरु म खा हा म धी प्र मी व

स उद व रु ल मी न व रु व रु रु उ उ न न्नि ति कं य म न व न ध धि न
य व म ध व रु अन न न व व म मि सा या व हा न या दा व आ ध न वि न
प्री न ग वा न वा व ध प रु हु धा ना ना वि धा न या ना ना अन उ द
व न रु ना या व प्र म न य इ ल हा ना व को रु क र्द ग ना रु र व
कं अन क अनि रु क कं अन क ध म मा न श व व या व हु न अ ।
नि प्र म रु वा ध क धा या आ ध न ला वा रु दा व मा क धु य म रु र्द मा न ह या व
दु ध रु क रु ध व शी व अन क म हा व ना दि न रु व न यं त या क ध व न म ना

८ वं हृदि जा यवमथवया सनमानरुया याकन यसन्नहृदिन असद
 ननयायका न भनदननयादाव वलीगुलि याको १० समसकधवन ऊव
 नायादगया यादस नम काव याकाव हर्षविकन गद दना
 दाव अथयाय नावया व हृतीउलिमूदया दाव अथयाय
 दधवदव उगत्रोध मा यान बालकदूय भवनय विजाक क
 लथालसक गवध जनकनयदुन दधनथोरुम दसूनप्रव जनमेका
 सीताव पलय अग्निन अंगानवृदिन ऊमनाय नवनयदुन अथ

वन हलथालसउदवम ऊर्ददादीदाव साया वनावनदाकाव दल्यवाप
 अगिबिसमय भदा कामोया जनकनययुसन्नइथमाल दधनथोरुम क
 लथालसमायानमादाव पाव अर्धकइया निवालम्व ० यम
 जलकनयमाल उगम साव याकानधयाधुदुनकलया
 ल विदध प्रवृहलथाल कमलाकनयसन्नइथमाल दधिद
 एगथन रुकस कलिधु यमनीरुव दधनजीनक दमभुनावासै प
 सन्नइथमाल दधननन दसकाववज दवनप्रव यमनीरुव

अथ यैकलयाल वं मदी जलं अग्निं वायुं आकाशं अथ वृक्षलयाल
 २ मने अहंकारं वदंति अग्निं मने अथ वृक्षलयाल हउमन्वर्थं उग
 यापीव पूनयाकमं ॥ ॐ नु यादिव मेव नद्यादि पर्व व
 लयाल दिनां कालां च ॥ ॐ वं ॥ दं ॥ यय समं दक्षिणाव
 कलयाल वं निर्वं ॥ ॐ वं ॥ हनिं अग्निं यमं कवेनं यनृहाउला
 धियनिं वायुं ॥ ॐ नानं अननं ग॥ धानं कुमाव अष्टवर्गं कूडं ॥ ॐ
 दनादि ॥ १२ ॥ खवनं दानव यका देयदान वायुगर्हा वनमगनि

ॐ अथ नाग गन्धर्व दानादि विवक्षितम् ॥ दानि खिल्यादि दानादिषु
जायन्ति मूनय अपि मन् १४ नाकस अथ दानि दानाद नाना उी वाया
नि ददव अनरु मरु
वन वृत्त रुविष्म वरु
लथालम यनममृत्त
याद अगावन ऊ अत्य विरुद्धे न ग अथ ददव मरु मरुना क
लथाल निरय यकृति या म नर्क विरुद्ध मरु

अथ कं गाथं जनक सर्वशायी मरुत्तन त्वं अकारं गाथं अहं विभुं अ
 १० वयं धर्मदातृ कुलपालसकं सुनासुं यथाय मनथ निनं नूनं कं
 ध्यानगम्य हं दधुं जन नयुं कं यथादा धानसा लानथ मरुत्तन
 स्रुयादा रुकिमा रुद नवमा भुजपना ध क्रमा यादु पुन
 व्रजथ माल ॥ ०० या विव सु पुना धी रुगवतसु व
 ॥ ११ ॥ वृक्षा वाव रुमृनि प्रका धनं रु मा कं धुययं यादाव धनम
 धनं धीतिमानं रुयाव धनं धीनि धीं रु सुनन आधं ग विनं रु नृनि

प्रवृत्तं रुन कामना वीरु रुत जनकं रुन रुन एरु वीरु यार्ग उ
 विय रुन धर्मं धायादं दाव रुदि रु मा कं धुययं वालक रु रुनि
 नाय रुठा सायाव धि नायव रु दधुं रुन रुव रु कुलया
 लस माया दाका सय धया रु दान धानसा धमय रु या ध
 कं धानसा रुन धालया वरुस रु दं दायाव साव रु ली रुत
 धालम उदवसु मम रु वीरु रुव रुन व नाकं म यक गं धर्ष नाग रु रु
 रुग रु वन रुग मा दि रु साया रुत धालया रुसा रुन रुदाका व सा या

नाना अग्रमम मयी ला क नदी नदादि अनक साधी आचुर्य २ व वा ह मि
ह ग उ मदिष धान नादि सभा न व ७ य ॐ न दिवर् मिह वा न व न ग
मनि अग्र नादि इ न व अनक खेरा रुदि ज म म म म
मीर्व न १ बाल क यो उद न स धा न खे र दि म म ह म क र नि व
ध गं ध मा न न १ ध न नी ल किला म म द न म ह न म ल य वि
अ धा नि पा न अ द द म क सु कि र्त मी ना क व क ध अ धि न मा हा २
म द न हा का व खे र ह म नि प्र ह उ रु म २ न ग व क न क र यं वा न म म

स न ली सु ना द्रा य स म र्थ सि हा ह ग वी न क्री स खे ध स खे द्रा य उ न अ स क डि क क
न व न खे २ सि ह द व मा नू आ दि ध द व स ध द व स य मा द न सि दि ला न स म
म र्थ या ना ल स ध ध व स य मा द न अ या रु न ग ति रु र्द ग दि ना र्ज उ ल र्ज
आ का ग र्ज य र्द न र्ज अ धा ह ग ग ति रु र्ज सा दि जा ध द व स क र
क र्ज या अ सा ध वा या म धा न कानू की यी ध स ध या वि धान खे द्रा य
न व सि ह या स क या उ य का न या य व वि धान न ध स य न रु र्द उ य का
ल द्रा य न व सि ह सा ध व थान य व न य ध स स न या न व सि ह स म ल द
हा क ल वा उ द द स न या व अ ना द न सा ध न ध व न ना का हा न या य

सुप्रसन्नानं रुमाजुन माधुर कनयसुयादा दवथाय्ययसु कनयादासकि
नं यरुनं भुननं उर्मिभारवइवंगा सुयकनहुभांगा कविना यार्त कनदव
लीमिदुर्वा पुनिमाइका पुनिमाइका मदा मरथा पुर्वे कालमं दवपुश्वा आ
वैरुदु पुनिमाइका दयक मा उनउयायकन भनयावालिदं हाव
सुथादयइवकासु सागवम मूड मरुसधीपु वनम लदलिनकयाव
वापु अकलमंथीपु मदा हुकाकाहु दम्यंथीपु लदलिनकसुनी मरुनकन
मा भनया कनहुका मालवनि कउनउडाव वनि अथथीपु हुकासायाव क

लथालस्यं कवनयदून रुजगमाध कलथालस्यं दयाया दवगानइसन कलथाल
सक रकइव इवसा कलथालवाहिकन उर्वे वसु भावूमका स्वामीपु कलथाल
उनविनायायुर्वे कलथालस्यं रुनाथ रुदव कलथालथिग्व स्वामीलाकान असय
यामका जीवितसं मवधसं शा दव उनना भमन विविध कलथालपूजायाका
नयायुवइवा धयापु सुग तिधायामका धकैव सैसावसागव सवउवययु
व धया कुलनं गीलनं काय विद्यानं जीवितनं काय कलथालसक रकिमजायव
वाक्य कलथालइव रुगलसैसावयाविगा थथिग्व कलथाल रुदव वनश्वा
न असनयकनियादाव भाकानठकयायाव कलथालनिन्दायायुवइवा

धर्म मरुतयंकनननकस यउवययूव पून १ जायमानरुइयनिव कुलथा
 लनिदायावया ननकाधुवन विहायमधा यनरवाकैन कुलथालनिदायायू
 वरुभा दुमधयावया ननकावासइरु जन्नजन्म रुदव जनया कुलथालसमी जन्म
 सीसावस जायवसभा नानाथा नियादाव कर्मनखायाजन्मस रुदव कुलथा
 ससक दुता रुदरुकिइयक माल कदानेयिनायाधनसा विआ नाधधका
 वदा कुलथालयूवुधाकम डेयनेथहुव रुदनेथहुव मनूष्यादिनी सयमया
 दाव आनाधनादिया नदाव धर्मनमादलार्ग रुदशा कुलथालरुकेकागुयाय
 र्वेवकादिदुदनरुकागुयायजसमर्थजनक कागुयायसमर्थ रुमनूष्यधनु

धवर्कया धवधवसकर्मयादावभा न लवर्मसिवावशायावकार रुजग
 नाथ कुलथालमदरुसभाध धनवूजनसाया उदवसवधिव धधिव
 कुलथालसग रुसिवाव वालकयाकविआकाग धी जगर्ग
 सावदाकावू पासवया व रुयकवम धदाका गधदाग
 रुदव किमर्थ दुनिनि लिन वटयगमविआका कावन
 धदाकावू जनसैयथा रुदव कमलयगादी कुलथालस्य
 नवध्या धरुविस्तवण आधन विदू न वकीयायाव रुदवशन आ

[illegible]

दल, महुदंन, मकवालय, वाझीक, सुनसन, काजीर, खम, हुन, याधनी, कि
नाग, कर्णुयावयन, नकयाद, दिद्याद, अग्निवक, केवल, खाँतिबका
थाऊ, तासुलिफा, अंगव
पु, कलिग, कैगुक, अर्व
नआदि नतग वदाका
हासा, यूवू, यमा, ककिम, धरेद, दलन, यार्न, पुयाग, कुवू, कोउ, यू,
केन, नेनिख, गया, गंगा, दाव, ककु, स, बदरी, का, सि, सागर, कीका

वनारु नृकात्र मधुना ननु कुल लालयामदकुनी धर्मैव नृवृक्षसामन
 विष्णुवक विहृदुठ यशाम कनखल नृविधान कावका कोटितीर्थ
 नहावल लीद जंघा ज
 कवकं टक लीहानेन
 कलावर्क यून धारुम
 श्री विमला कालि कुल लनाक श्री हेल नृविनादन धर्मदी
 न नृन्यतीर्थ नृनका मृच्छकौट मृच्छयन धवालकया उदव

न धर्मिन रुद्रायटन एकाकी याद रुद्रव नृवनखगुस तय माल भयम म
 रुसिधुनीन म धका पुन रुद्रायटन एके रुद्रिजा धने लादा सावाठ दाव
 जाजा सुविक से रुव मा एजायन याव यिनो वन कामल मधुव वदन नृवि
 नायन वरु सूर्य यायर्थ मृवा कलसक नमसा नृयादा वरि ना
 नृ रुविष्टो जगत्पति देव देव जगन्नाथ धर्मपुनिमाजन काय साम
 या रुविष्टो जंखनै य नम देव स्य धनया नाविस जस्रानक सकं का
 धनेन धक मया येटंटा धक भाया दंडा व विष्णु नृवनमसा स यादाव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनस्य सन्निधौ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रस्य भारत ॥
 स्मृतं त्वं पाण्डुपुत्रो मया कुरुक्षेत्रे नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नद्यानकाव धधुकावकाव धुववसथिनानकाकोकुककुनखनिव धुववस
कुवा ऊवा दर्शनकुयव धुवकाकायाव कुनप्रतिमादयका कथा कुनमनन
पावाधिनायाती धधुयावका कननिष्प्रका धनसप्रमखकाव वाका
यादिकस विमययुयन याव नकाकोकुककावयाव जागवयाव
वाकाव वाहननकासव काव यवमिधनयामीगुयउयाव का
ययाव वाकाव यातकालइयाव मयप्रमखका विनाइयाव सागव
सत्ता नयाकाव विभनभायाकाव वाकलायाती दानसंकल्प यांम
नगवादि संकल्पयाती धुवाइ कथा कर्मकाकावधूनकाव ००००००

हसो धवयय वइयो मूला लउगंगन दूजा या दूव इयो मकन लिका
 ममना दियो काया व नव सिंहा कानि दय का म यउ ममना व
 सर्वका यसाध कथ द दि का धि म न न सिंहा दू उ या मका
 व सकि साव नान सर्व काम न विव वा म न्द वि वे म
 सी गू द सी न झा नि सु न ए व न व सिंहा दू जा या द द वा व
 अउ म न दू ४ न व ल उ म न को ठि ज म न आ य व या य य म ५ ४
 ख मी भा व ह दि का द व या ए व न व सिंहा दू जा या द न म द द

बुद्धा वाय रुठि जा म्भुत मा धव द म न या का व ध या मी य स म स्या मा
 धव यव स ए का रु व इ का स्य म स्या व य ध व व वा व दे य न व द द न व वा व य द वा व
 ध व द उ ध व या य न व सा न ल या न ल म वा ग व द उ ध व या य न म स्या व य द वा व
 द उ ध व या द वा व ध स्य धृ धी र्ग बा न रु व वा व ध य नु धा रु स भ य र्ग वा न व र्ग
 गा दि वै सा व ना व म स्या म द न दू य धि म म स्या मा ध व ना धि वा न था रु ठि
 जा रु य ह या द न निय म यं या द वा व न म रु व या क र्क स म रु द र व न स म रु या न क
 न व उ म न अ न का ल स व व म ध व या न स सा द्र रु व य धा रु य द वा व म

दावाजायादान गरुयायममालकं दावाशाकायकृकर्क विष्कृक सत्यसं
 गत्र वैकवथागैलाहाव भाकृयाकृकर्क रुद्रिजा मस्यमाधवयामेहिमायाउ
 नज्ञावगैमस्वा गनरवैयनमभनदभनयाकाव वाकाहललाने मनयउरु
 रुद्रकृन् सागत्रसानयादा या दानयादायाहल धुदाकाव कंदनध
 कं वृक्षादाव रुमृनिमाद ला मृलंक्ष सागत्रस सानयायसायै रुद्रन
 रुकिनदकृन् यूपभाकविव र्वं मार्कलु यद्रुस सर्वकालसंरिग्व विनेम
 न वरुदनीका रुद्रुष्ट सर्वयावनयउगर् सागत्रस सर्वकालसंरिग्व वि

मय दुरुंमानीका रुद्रुष्ट मयद्रुमययाहललाने । मार्कलु यंदटं कृक नोहि
 मयैमसादभि । ००० रुद्रुमसजसेव यकृनीपविमिः स्मृ न ४॥ दुरुंमासीका रु
 कृकृमासया रुद्रुनदकृन् लायूदरुनो विरुवन नाथैवाउवनलुष्ट काय वाक
 मानन त्रिभुदियादाव वन वा गदि मसमासादिव उगाव एक विरुयादाव
 वन सानयाय रम्य कल्यवृक्ष माकात्यानायग धुवनवृक येदादिषायय वि
 वाव रुद्रु कल्यवृक्ष दग्नियादाव सद्रुऊननयादावायन वरुगादयूपलाने वाक
 गदिलाने धु कल्यवृक्ष या पुमा लयुग १ स यथासंख्या नाने रुद्रयुग स दट

नाम ॥ शुभायुगस वटश्वननाम १ हायवयुगस कृष्णनाम २ कालियुगस
युवानयुगस १ धन वटयानाम कृष्णयुगादिन कृतादिया याजनहि विरु
शुभायुगस कृष्णनाम ३ हायवयुगस नकास २ कालियुगकासहि १ धर्षि
वटवृक्ष मंशुनमस्तान • यायवश्वी धवठन दक्षिणदिशायन
नमनयुगसमि ३०० कावृस जलनक यावश्वी धकावनमस्तान दृजा
यागकाव सर्वयायनवउगर्न दृषसउग्रसेनन धुस्वर्न हावस शुविश्या
व

अनकवृत्तनसंयुक्त सुलक गवति मादयका सायाव वलुनसंयुक्त सा
याव वाजावाच रुद्रवी कुलथालउरय दववाविद्या नंगा वाक्क गवृयेन विद्याहा अ
हुन के मी याहा दवनयायथा ग्य काये याहा रुसकलसू दववा मनूयाया यक
विद्याधनना वृक्षविष्णुना वायु अग्निना क्षीप्तिनीना जनस्वर्क मसयाहा रु
सकलस्य सत्ययादन अदम विद्वन दनधालउरय सक अ मयदुपवी ॥
ॐ स्वादिवृक्षयुना ॥ वृनिभासकि ॥ ३ ॥ श्रीरामवानवाच रुद्रय जनस्वर्क
पुनवाकम दवयद ॐ द्वादिव नड वृक्षादिव अमखा अद्वन समस्तला
कया आकिरुन अनकवल युनाम पुनव प्राणीन अर्धनायादा नै अनकअ

[illegible]

लसद सुसदा भुसकलसकथावर्न ॥ वक्रोवाव ॥ द विद्या दवादि कस
कलस्युक्तकसयकावर्नकनथा युवायुवस कनयनस रंनु दुत्ययवाक
मनाजा सुस्यान रंनुदुस्य नामनाजा सत्यवादी नामकलनासुवव
यवर्न सुवमाता साका विद्यावादी सत्यवादी अनकयकल
वाकलरक सत्ययुक्त वनवर्नक वदी नामनिपुण नवना
वीजनया बलर सुवर्नक नमाना दवथा दार्थयाक आदित्यसमा
नथा दूथस्य नामदाकारयविव वैवूव सत्यवादी जिनकाय जिन

द्विष्य भो कृष्णमनार्थं वर्मन स्रव यथार्थं यादाव दृष्टावृत्तिर्यालयात् कश्चिद
जायवयव सनसंज्ञमान विष्णुमकं रुक्मियाय रुक्मसावतावयाव य इत्याय
वर्कं दिवा विदवठानाया यो यो आजावनयाय वर्यं गवो रससिंघु घर्म
थस वनाग्रमसधकं मन नययित्तनयाव श्रीया कोरुया महि
माविंदनयाव भादलाय दवठय यव श्रीरुनभो व वनं वर्यं
शूनक कठकायिनसदिनयादाव धठयससु गवमेव य इत्याय ७८
गयासा दय कोव क वृवलनमदस रुका ध स कलवृत्तिमा थाव न
याव यं व नीधसंज्ञा न दा ना वि वि धान थं यादाव द व वृत्ति याया

दाव शूनक धन धायादि नानाव मुन संधू र्णयादाव मदा ऊरु यादा वि ध
नथं धा व दवया याणा दय ति द्वा या यन श्रुवमं य इत्याय ॥ ७९ ॥ यादि व
मृयूवाण सयं पुसंघि सीदा द या सा दयति द्या ॥ ८० ॥ दिठा उवू रं वृन न कल
था लमकं ऊयानि स्थीथाल यूनारन कथा ७९ वृश्रु मुवा जान विष्णु
युतिमा गथु दय क रं कृव वल नद स रुका ध युतिमा जा जान गव
काव व द य द वं मवम गव ग थु सता रव इ रं वृ वृ न ऊय नि स धु श्रुति
कोरु क ना ना यो ठा ग थु सीता व युतिमा गथु दय का रं वृ वृ याव स
मृनिगा दूला ध वृवाण र्वं व दवा गुलार्वं कं न टा य वृवा मृ वृ सधु तिमा ठा

आयाव विश्वकर्मा स्मं त कृष्णं स्वर्गं प्रतिमा दय कर्न वलदव कुष्ठल २६
सायमानयादाव रुलेरुक्तयादाव शुक्रवर्धु सुथमस धेनिदय कर्न आदर्भव
उयुसाथ नकाकनयन नागरुणा यननयाव नीलाम्बुधर उग्रमूर्ति अरु
कावमूर्ति दिव्यकुष्ठलकथु ॥ द्वितीयमूर्ति पृथुवीकाद नीलजीमूतवर्धु अ
नसीपूष्यवर्धु आयतनैरुवी तवस्तु अरुलक्ष्मी श्रीवल्लभिक वक्ररुक्त सर्व
पायरुन धर्मिष्ठरुविनरुनीयमूर्ति सुधुवर्धुयादाव पद्मपद्मायतलावन न
वस्तुलावकेयूननसंयुक्त विविशारुनक्षी नल्लान् पीभान्नगकय विश्वकर्मा
नथधुदयकाव नाजाटा अनिकोउक वायाव वस्तुयुग्मन धावनीयाव धीग्वमूर्ति

मनि धलाकाल अविद्विन्नयादन नाद्रयादाव धर्मकाल वैनदाव कुनवी
कालयूव धवनलायमहायद शाकपद कुनलयव पद्माखवन रु
द्रं मिलिय निश्चल कुव धयद कुनलय विकारु कसमास कार्य कव
क्षमहायदलयव धय वमयद कुजनकेन धयदलानदाव अ
नन्दमानलाक् धयदकुलावकेधकी रुनाऊनु कुनकीर्तिष्ट धीस धला
कालदयव पृथी आकाश सूर्य सनूउभर सूर्यसदवददाल कुनकीर्ति
पृथीसपुकाशयश्व ०० नुश्व शावधकी धलाकालदयव यरुनजा

यत्र धाम्नीय अष्टमं यद्वयातकस्य ध्वं नु यस्मिन् वस कृत्य धालमातुसा
नयादन ०० नु लीकसंयादकन धनी न विच्छिन्न न यायुवइ धा धयादल
प्रकविमकलउकावयादाव ०० नु लाकलार्ग अष्टमं गठानयुजा यावक
गन्धर्वनगीनवाययावक कामगविमानवा नायादावर्षीन जिसय
की ०० नु मंगलालेव धम भाववध दक्षिनने अथ दिग्भास वटवट
धयासमीयत मधुय केनकी जनेक नानावृक्षाकल नानिकेल वयक
भाक काष्ठिकाल नागकेभन यादति सवल डवडाव न्येष्टाध पाविजान स्व
न हिनाल गाल यियाल सिनया आसु कर्नउ लवयनालावृक्षादिन लैय

लेलार्ग धवइव ०० नु कव व यद्व विद्याधने यथिष्टलाने नन
सिंहभायान सुनियान न युजा यादान नाद्यादिलार्ग वगैभाक
लार्ग वनसिंहमृलि नूनश्वाभा यैवेन भायुवइ ध
जैन वांका कल लार्ग सर्वपावनसु उगाव विकलाकलार्ग ध
थिष्टमवर्चिह एकवार्ग दधनया युवइ धा अष्टमं इष्ट

आश्विन अनलिभ्यं महालयं कनकमणि अलयाभि महाकाला महावि सैवुदीप
 महाभय यादावद्वयार्तं सूर्यकोटिमानं कनकमणि अमलयाभिनेन शैलान्
 द्रुपयार्तं नीलुनं कनकमनमनयादिव द्रुपयार्तं धर्मिषुपुलयाक कालमय
 वमात्मासमिधानरुमादा वधानं मार्कण्डेय महासमथन मादया
 गानवधनमाव कृषावृषा न पीठवयाव ध्यानरुपया दावभानं
 महावद्विभानं मूककथुगालकाइयाव रुद्राव पृथ्वीरुमनयव विव
 तनयादाव भाववयं इयाव उवावमदयाव इयाव रुद्रिजा धर्मिइली
 निर्जयथायमखर्नं अदयाउनरुयायवकी मयाकगनधावनधकीगा

वयाव द्रुपयार्तं अदटकुगुडिदव धगध्यामायवकंशानयाव इयाव
 द्रुपयार्तं नाम वटनाइया समीपम धुंदाव धिनावदाव रुमनिध
 रु अदटयासुलसधनि कालाप्रियो रुयधिनमदा अग्निवृष्टिमदा अ
 गावद्विभानं द्रुपयार्तं वटनाइ अग्रययादावधानं सैवकं अ
 धिं वरुं वयमकाभय ॥ ॥ ॐ यादि वक्रयुना धी मार्कण्डेयपुल
 यदनेन ॥ ८ ॥ वक्रावा व ॥ रुद्रिजा मार्कण्डेयया अदटकु
 गलसधानदाम्यं महामय अनक रुद्रि वरु धवव विवृत्तालानमय
 कयादाव नीलायलवधु कविगु कनकवधु कविगु वयमकगनवधु

धामवर्षु रुविगवर्षु काकाधुसहृण कमलयशुभ्र दिगुलिभ्रविश्र
लालानसंयुक्तमय मदानदन गजुययामिद्य आनदूय आनआनव
धनलिभ्रभयनश्रकागश्याम इव भयन दृष्टीय दृष्टिर्नसंयुक्तुइव
धमयन दृष्टियादाव उ लमयइव धमनिःप्रेष्टा समस्तभय
य उलनसंयुक्तुयार्तु क कामअज्ञान सुगतभावाप्रमाननव
हिवावायादाव अगिववृष्टिन समस्तमायकव दगवयप्रमादादाव
भभ्रवृष्टिइयाव समुदधमीमालयवयव दृष्टिर्नीर्दृष्टिर्न दृष्टि
दाव पुष्टीय वमागलकादाव अकानमवायभयदाकाव सुलयवा

धमनिःप्रेष्टा नाडा स्रज्जनन्दयादाव कृक यलरतइरुडाविष्टकमोस्र
निम्नोनयादावलिः यदयादिमानवाहुन्य नथरुयाकाव धर्मसंयमयादा
व उयभदयादाव नानावाद्य आयकाव गीतनृत्यादिन वाक्कटादिव दृष्टा
हिगादि धदधा मयावकी नानावाद्योदि आयकाव पथ्यसंगलु आय
कुरुयाव पविगुणयभा याव युतिमानयाव अतिविदाका स्रजिद्व
समावका धुरातिथिउल मकोलस पुनिष्ठायात उरुमसुदुर्कस
विधानथ्र कायाधकर्मयादाव युतिष्ठायाकाव आवायोदि अनुमेनयादा
व कर्मयादाव सर्वसंयुक्तुयादाव आवाययार्त दकिष्ठाविनविधानथ्र

वाउमनिविउ यार्न अन्य २ द्वा म्हा यामव् अन क इ या दि वि र् य नि का य
दाव उरु न यार्न द स क्का व न दाव कुक्क व ल रु ड ल र द्वा धु म्हा द व ल स
था य न दाव वि धान थ धान द्वा यार्न पु नि दि न सु ग आ दि सु ग न्ध य का दि न
सु द र्धु म नि म क्का दि नाना नम न सो स न गी मे या दा व अन क अ
रु कि न थ पु न न ग ना दि द ग न र्था नाना वि धि न द व स क र कि या
दा व नाना य रु या दा व आ उ म्हा दि म हा दा ना दि या दा व ध र्मा काल या द्वा
दा व ध धान व उ ना व विष्णु य द व न र्था य न म पु द व न र्था रु छि उ म्हा य
दा का व रु स क ल र्थ स य का र्थ अन क न र्था पु ना ना उ र्थ ना रु द या र्थ
ना

या द्वा दा व ना उ र्थ अ उ ० का दि वा मा व नि वि क स न य य क र्थ र्थ मा न या दा व क्का
यार्न रु र्थ का र्थ श्री य न न म क्का न पी न वा स र्थ श्री ग र्थ य कि द् श्री वा न आ द
य व र्थ ० ० गार्न स र्थ ग स र्थ ग म्हा नि म्हा ल य न म द व न म क्का व २ रु र्थ दा र्थ
गु र्थ गी न रा वा रा व द्वा वि न नि र्थ य नि र्थ गार्न सु र्थ स र्थ रु स र्थ रा व ना प्रा वृ द्
म य व र्थ ० गार्न द्वा म्हा दि न स र्थ व द्वा क्का य र्थ ध र्थि ग्गु क ल थाल न म क्का
व २ म्हा र्थ व द्वा ग द्वा म्हा ल थाल न र्थ ना ग य र्थ र्थ य न र्थि वा दा
रु र्थ दा स न म क्का व २ रु र्थ र्थि क र्थ स र्थ या य रु र्थ पु न र्थ द व द व र्थ व व र्थ
न म क्का व २ स र्थ र्थि क र्थ व विष्णु अ य य अ द य न म क्का व २ ध र्थ र्थि या दा व
य धी स य र्थ य दा व रु गार्न लि या दा व यि ना य र्थ रु ना थ ऊ वा स क ल थाल स र्थ

या दान सा श्री निश सी विद्या न सा ऊन ख र्क कूल था ल स क द न क्षा न ८ मा द
वा सु व ल य द गी ध र्क न ना द स न ना ग न सिद्ध न विद्या ध व न सा ध्या म
थान किन्न व ल गु द्ध क न म र्वा भा क न ना ना मा सु वि भा व द लि द्ध था म
स्या ती व द न थ वि क व या व भा द मा र्ग स व न धा व न या नि मु द्ध नि
मै ल आ क ध द का का र्ग र्ग दा व द ला य ऊ र्वा क्का ध व ल र्ग न ८ मा क
ल था ल स य द म य द द्ध न ८ मा ध र्क धा या क्का व धी र्ग य द न वा य र्ग
ऊ न ऊ न र्वा क्का थ व थ र्ग न ऊ न ध मा द या क नान स म य म मा न क्क
न ल य व र वि द्ध का ल य र्ग जि द्ध ल था गु भ व वा द १०२०० ऊ न ना र्ग या य

वीरि समस्तस्य निधिवी धपनि गथर्वनी धपनि मयूववा (तास्य हयूववकी का
 र्त्त पनदावयो ध्यावरुईव (ताताव दूहास्यी हीमस्यी सोरि धववाधपनि
 ताववपाव व्याध समस्तस्यना यूषिष्ठिरसकैवनी स कालाव हीमसकै
 वीकाव सवापापाव यिनाप रीठा हाथजवलपाव सवायाकाव सप
 नंदर्वीकावधायी सोहीमसन जपनिस्ती दूजापिन ठार्वीकवयाधकीका
 व निशानापाव पूकवनीस जलमकास गताहलकीवानान श्रुथीकासा
 कृप कृगवर्मा धसकलसवी धिथिरिक्कायाववीनीवकी ग्वगवाववस

३- न्यस्तुतिस्तुतर्कपायाव नामससंयाजयनिस्स कनठाधर्कपाव कृपनिग्नल
 र्कपायाव जंयनिग्नवक्त्रिधर्क कृपनिग्नवक्त्रिस्सिना गगच्छिल्लूक यद्वधर्क
 हाकाव यत्तदविद्याव ना धर्वाधर्ककाव यूषिष्ठिरसर्क नमस्का
 रयाकाव हीमस्सिथिनापया न्निहा साददा देवस जंयावयनिस्सि दु
 ज्जिधिन खिद्ववधर्क कंका व यूषिष्ठिरस्सिधार्क जंहुवनं क्कावर्क
 काव व्यापकाकाव व्यापयनिस्सिनमस्कावयाकाव धर्वा हावाजं दु दुज्जिध
 न्निहा पुष्करणीस जलस दुहायावयनि कृप गृध्रस्कासा कनवसा ध

सवचननवयाव महादूःखहर्वा धवाधवनिस्समस्सं सवैलकायावभासि
 शोयमालधर्क सयान सयाध नावापुकावगधर्क यूषिष्ठिरादिने आस
 वूर्क थल्ल थल्लोली कंभुस्सि जलधियाव जलसोपाव धर्वा हा यूषि
 छिन् धजलसुसुवपीवध्व दक्षिणावर्कनमहल वासावर्कनम
 हल नीधीदिजलयादकि नावर्कनहलव सासायज्जलया वा
 सावर्कनहलव धजलसु फवया धिनिग्नयनवध्वदव धजलया
 कावगदवधर्क हायूषिष्ठिर ददा दुज्जिधिनगध्वसाव सुनानं धसाय
 महा जलसुसुनयाकाव सायावाकाव धान धवा सयाहयनयायममालर्क

शनि, देवासुर यक्ष, वाकिस, गन्धर्वी दिव, हयसमालकैवान, मनुष्यामाहु
आर, धमाया कर्कव, मसव, ऊँ, जंददावल हड, दूजावेन, ऊँ पनि, खिचसया
कैसवमदा, धयादेव, कोनवे, योवूरे यमदा, मनेषायाकै लान कुरुयदयू, गाधि
ग्यमायासावे, धनेक प्रसिद्ध, यादकाव, युधिष्ठिरवू, लोहसुस, दूजा
वनन, धयादेवमायायाकावरी, काव, जाको, ऊँ पनि सरुसुस, ऊँ सागुद
यूववा, उदेवनयैरुयूववा, धान, या, बडा, दिने नीलकाठिदवा, गावू, दूजाधि
नया, धियाकावला नववसन, ऊँ पनि सा, आभावकै धर्क, समस्त लाकन धनसु
यूव, दूजावेनमा कवैकै कायादकाव, कुरुड, हायुधिष्ठिर, पछि नन, धानिन
वंद पूजालस, नीतिसुहायाधर्कै काको, ऊँ नंदका, मायावी, पूवष, कवननमा

सहीमवा, कनसायायकुरुयास, द्रविस, कनभूनक, पापयागो, विषहय
आदियावको, ऊँ पनि, लोहसुस दयुयाका, देवनन कवपान म्वा कविका
दूतस, दोपदीयाकै, मा कवैलया कुरुयावे, उवूदभनिया कावध आदि
न, कन ऊँ पनि सके, श्रुप, कावयागो, म्वा यीवन कालस, वं धाश
याध, धमागथा पापमा, यू, कनधय, हथ श्रुनके श्रुपकाव
याकावे, आव कन काका, उवानदयू, धनेन, कन सायययास
यायमठव, उकाववा, ऊँ पनि कर्कवा लास, कर्कयैरुगता, कनवाकै
याव, कनरुयै मरुगता, दी धीनि दयावकै ऊँ पनि, धने युधिष्ठिर सी काया
दकाव, दूजावेन उ, लानाजन, युधिष्ठिर, ददा, कुरुनधर्मा, हयनव

३
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१
३२
३३
३४
३५
३६
३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

सर्ववत्सलं तयनमग्या कर्कसं कृष्णकलमग्या कृष्णं दक्षिणमग्या नवासस
कृष्णकलमग्या दासप्रायथ्यं वा नैरा जं पुनवकवयन ग्या कामग्या कृष्ण
न वाकाभवसा वधमावा साव विदमावा सुन्दरमावा वापि शुभहीवसा
वा मनू नव नोन सव
विश्वकासकी कृष्णकलं दुः
कृष्ण जं विप्रमयायक
वड ता दुजावन जं पनि जं पनि सं गुमयावा कृष्ण नव छदिलाव कावश
याव विप्रमयावा कृष्ण ययवसा विनै स्यायमठवा गी पु या काव ला नवा

जं पनि दाक्षिणायकाव नूनकवार्ज सुखन उ करयवा जं पनि स्या कृष्णाय
काहानसा कृष्णस्वर्णयाक शयू वीव न ला का नययाक शयू दुजावन उ
ता वृषिष्ठिव कृष्ण कृष्ण निमि लिने जं नराय उ करयवा कृष्ण स का भवसा पुत्र
गुरु पुत्र नि सप्तसुसर्जन बाई पा क यायनसका आव धपनि सप्त
सर्जनी कायेवाय थव
नल नमो पुन विप्रमया
वसा कृष्ण वाजसूय यक्षयायस वृथी दिग्विजयवाकाव नूनकवन
लोदि रुयाव वा कृष्ण सनेर्क सप्त स विवा वा कृष्ण वनी रुवा धन नमो

५
नमो भगवते

कथन समर्पना जावु जन विवस्त्र जयदा काव धन रुपा धन समर्प
याय क गोवर्ग किमि सुते न काव दियार भाव के पुनी न नवनी
वृषाव क विष्णु क सावसाव धाधि गृष्ट धी जन तु कवव मया के सुख कि
न पदुषन विष वा की तु क नय मया धी धन कवव के सुख के सकल
स्यं य विने दुर्जा विन नृस मय रुवन ध धी वा व के के नृ सम धी
वन मया मया जनु काठन के सकल वा ल व ग ल पाव स ल सा म क ग ल
समर्प माय काव न काठन वा क याय सम धी य द्ध धन व स नृ काल कु य द्ध दान
नी धी क ली ग क नि सी व ल द्ध धन म स ना दि समर्प माया सुन के न नी न
क यो न न ना ध याय धृष्ट धी के न का दून ज स रु य म दी काय वा क के

लं सया न्वय वृषय निर्य लं न वव मव या की ध की क विय य व वा व के म व वा का
ध धी वा व सा यिन म द्यो प ने की विये व के व क लाज म वा र्य के न ध धी लाज म वा
याव ध धी विये व के व क कुन ध धी विये व यो स रु व सा जे प नि द्वा द म व व वृन की
सया काव ली न वा स द्ध धी द्ध धी
सुख व व न नि य ध या काव ज व कु ध धी दून या काव ध धी रु व का र्य कु
स्य म रु र्य ग ध धी कुन विये व प नि र्य ध या व द्ध धी वा काव नृ व ज व नि
ज म रु व व वा न्धे व वा जा सम र्प मा या ध न माय काव दय के न या ध धी ग ध धी
विये व के कु ध धी दून या काव ध धी रु व का र्य ध धी या नृ ग ल रु द न व की ध धी
वृ य द्ध वा रु क न विये म रु व व के य धि धि व विये म जी व व के व के क वा रु मि रु

७
वि
प
द
८

को पूर्वसि समस्तं सत्त्विकाया बहुकृपयं च पापं नव नव धर्मात्तुमिवि
यं वृद्धाविव जं वेन वनं च की कथा दाल र्वं जं जयन पाव कन वृद्धा उ कवे
य हा लो का का जं विदं रुन कं धं नो कं रुन कन क्का व का र्थं यद्व वा हि
कनु मू र्था दि को ए धा व वि प स म जि व व की क र्थं रु र् आ व सा न न
य स को न ए धा कि व वि य प क पारं हा दू जं धनं धनू या क र्थं ग्रा म नि ल्या
स क थ नू न्ना न सा कन स का य म र्था पु धी आ व या क र्थं दा व स
ग म न्ना न वा का न व वृ ति या द शान म ठ व कं जं न र्त्त सा द यो न म ठ व
लो क या क र्थ य अ ध स न क मी व का व जं वा जा र्थ जं मा र्च का व क
र नो कं जं व न र्त्त स नो लो क या म र्थ स र्थ य द न न लो क या क र्थ वा

धानं मन्त्रं धातुं सुखं यथा गन्धं यानं नूतनानि मन्त्रा देवदाया का धं यानं यम
दलं जं का व य म ठ यो ग्ध धं यानं वे जं जं का व नू न्द्र यो ग्ध धं रु यो न क
या का व यानं यथा यो ग्ध दू जं धनं र्वं का व पृ ष्ठ र्थ मा दि स म रु वी व ल का
र कं जं स म रु धनू या म्वा य म दं कं जं स जि व न जी व र्थ रु या र्थ द
न गू ण या य माल र्थ की दाना दियानं र्वं व यो लु व र क र्थ ल लु व वृ र्थ
रु जं धन या क र्थ र्थ की दाना या व न म या य के न ल प ठ य धा या व स म
रु र्थ नां ल प ठ क र्थ र्थ धन वृ न सा का न या क र्थ र्थ यथा धा या व दू जं ध
न न धम उ व रु सा या का र्थ वा व जं मा क ठ ना र्थ ल प ठ क र्थ र्थ स उ प
रु र्थ या का र्थ र्थ म रु को र्थ या का व र क र्थ न य न या का व र्थ र्थ हा पु वि वि

ॐ
नमो
भगवते

नादिवीनसमर्क लपठकवधासी जउयहासयाका जहायथा हावपी पथाया
 काया धनूकपनिसी धयाहससंयू वाणुवादि वाकेशलादि सोमकादिज
 गदाप्रहावलभायावे यमपूविर्वनिवधकी री सजयउ हावाहन केपूवइ
 जोवन जलनविहावयाव गदाजोकावे ववविहाव वाणुवादि
 कृष्णादि समर्कसुनि लप उकव धयावे हासयाकावे दूजोपिन
 कोपयाकावे धावी होयुवि विवादिसमर्क सोयकाव यमपूकोयवे
 कंधावी केपूगया नीवीरसा हाहवी पवंगसकि लुकपेयाहासी वीवथा दहन
 हीहापीवथानी धववससमर्कसीनी दूजोपिन यमहाधखेन कालीनेकन
 उधविन वाणुवादिसोनीधवी केसी लपठकव धासी हासयाकासजी

पवाकायाव पायाव ससैथ द्वादमनादित्यथकन ससपूयवर्नथावथा
 न कववनहीयाव ठापगानेयायाव गदाहलकावेथीनकासी धनगदा
 यावीयू दसन वीनेमदान हाधवाणु यथा गदाहलकावकावे होयुवि
 छिन धनगदाभावेकावे नव शक्रकावसा जोजावेजोनधकी सत्यउवे
 कंधायावे सहयवकोसीह धवालकधकीकावसा नकुलकोसीह
 नकुल नठपायथा धनीम हलकावसा श्रीहल कोसीहने श्रीहल
 लपनेइवउखहवी गदायूहससुधायसा कवनधकी केव मानोथीवृण
 मससवसा हीमधवेवधकी धन वीवानेकेज कर्कमावकाव धाकीववयव
 हागेनकाकीपूमावकी केसकली सुसपाय उलुनिसायमहा मवनकोठी

नमदा ॥ जंगदाना ॥ सुवर्ण ॥ नाना प्रकार व व व व ॥ लूय का सध का व ॥ नायका
 वल ॥ पूजा या रुतया ॥ धनदान ॥ कृपनि भावक व क ॥ मोवे या पिना वी को व का
 वल ॥ मि ॥ कुरु कुरु व न व क ॥ गदान गदा ह ल व व ॥ व म य द न ॥ क र्क क र्क
 लो का व ॥ का र्क व भाव क व क ॥ गदा य द लि ॥ ३ ॥ ४ ॥ ह र य उ ॥ हा व न
 क उ ॥ य वि वि क उ ॥ हा द उ ॥ व न ॥ क न ग द म म ॥ क व व ॥ दू प न व ॥ वि य
 व न ॥ अ प नि का र्क स क र्क ॥ व ॥ क र्क या र्क व लो स ॥ दू क र्क क न वा य व
 क ॥ वी या र्क का व ॥ क र्क स म न सा स को य या का व का र्क ॥ हा य वि वि क ॥ क न क र्क
 का र्क ॥ दू ज ध न ॥ क न ग थ दू य र्क ॥ क म र्क वी ॥ अ उ य ॥ वा स वा र्क ॥ ध वि व
 व व न ॥ बाल क र्क ॥ गृह नि र्म म क न ॥ क न ग थ क र्क ॥ दू ज ध न ॥ स य पा य कृ प नि

म क स म न ॥ ध वि काल ॥ का र्क स क र्क म य क र्क ग सा ॥ क न वा य क र्क क र्क ॥ व
 जान ॥ वा जा ला य क र्क सा ॥ क न ग थ ला य र्क ॥ अ र्क वी वा र सा ॥ ग द य द म स व
 न क र्क ॥ स रु द व न ग थ दू य ॥ क र्क म र्क न क र्क ॥ स रु द व ॥ व र्क र्क र्क नी र्क
 क र्क ॥ दू ज ध न म र्क ॥ क र्क स क ॥ ल व न वा स स ॥ वि वा ठ स य न का र्क ला र्क
 व नि मा ॥ ती म वा ॥ य नि दि र्क न ॥ द य द य क ॥ ती म भा व क नि नि दि र्क ॥ क
 नि क ला र्क ॥ आव या ॥ ती म ॥ वी ला य क ॥ उ वा य क य म वा ॥ आव द
 ज ध न ॥ या ॥ म र्क व ल द र्क नि ॥ ग व कि कि र्क य नि म र्क व ल ॥ दान न ॥ अ य म र्क व
 ल ॥ ग द य द स ॥ क र्क व ॥ क र्क व म वी व ला य म म थ ॥ वि लो क र्क ॥ दू ज ध न वी ला
 य म नी म द ॥ ती म वा र्क क न ॥ ती म ग द य द वा स म थ ॥ ती म र्क व नी म र्क व ॥ दू

जधिन गीधुवंगी मंवन कनाठ जावसा, लिलातन नाठ स्वनाठ जायसमर्थ
 आवया जधिन मजीवा वेदाविदू, हथवू दूनस, हवस, कनाठन, सर्वस
 माक, आवसा, अपकावशयन, कोकस, कक, दूनकोव, बाक, दाको, वेमाक
 थक, कोव, कथ, दूनस, न, कनिया, दाषन, मखो, खम, कथव, केथ
 दाषन, खम, शव, यव, रुविथ, वाठि, हवसाय, ला, नसा, नलधन, माय
 बाक, नषिवायाव, आव, आव, दून, थ, रा, थ, य, ती, म, अ, ए, नि, क, व, लि, क
 दूजधिन, न, भा, य, के, रु, वे, प, हा, व, वि, हा, व, के, व, अ, पि, यो, स, ती, म, व, ली, पि, यो, स
 सदव, ती, यू, धि, छि, व, दूजधिनया, जय, हव, र, के, न, का, का, ये, न, के, र, व, का, ये
 या, ला, न, म, दा, दा, य, दी, का, स, मु, थ, थि, न्व, हव, स, पा, र, आव, थ, थि, य, म

लस गदान वाखाव जलसद्विविया मंत्रया वलन दवया दया दान साखारा
धर्क शाने, पणुवादि समस्त जाया व माल रुय आस वृक, अर्न कर्तु सीसाया वजा
मदयाव, आस वृकाव थाव मि विव स दूरु वीकाव, नित्य कस्मी दिया का वयाने
यूषि विवा विस्ती दूजा विनय वच धर्क धर्व, लीमन धर्व थाव वी वि, दूजा
धन कर्क समा व कानि धर्क कृपा दिस्ती धर्व, मि गस्ती वा का, जिन के हा
वयाव, वाकल, विकल सा याव, वयाव, दूजा विनय वां का, कुद या समी
पस वाकाव, आणी वीद नुमस्का व याने, दूजा विनय, विष्णु नय वाने, गदा त्वे द
ताव, वन वन धर्क शान कासा, कृपा दिस्ती धर्व, हा दूजा विन, क्व वय उसन
सिगामल्ला कवन, जप निस्ती धर्व दक्ष, पणुवादि सायक, क्व नज थी कुकव

यन कृतिशयाव क्वायव स्वीचानांछा, पाण्डव जयवयः क्वा तसा, वृद्धा विदूरा
 र्थं याय, जयवयः सदा तसा, संप्रामस थममावसा, स्वर्गलोयक, पाण्डवया द
 ल कटकसमसुस आव सुनक क न वृणन पाठन व वं ग्य, धर्म नडा वनिमाय
 १ के कूल्याय आवया कूव वं उकाव वन जयनि सुक सवा नापर्वक
 व पाण्डवादि स्वी क मरुत धर्क पाया क काव, दूजपिन उवाय, का क
 यादि ३ क सकल स्वर्क वृ सनूय स गृष्ट क सकल सा क नायाव ज
 जलस ईविस्वीका, क सकल स्वी न्याजी आ न च आवया संप्रामत्वा यथा ग्य
 मश्य, ही वृ डाल, क कृदि दान का स्वी धिं यवू संप्रामत्वाय सिसय आव या
 न च का न यथा न निवन धर्क, ऊन मा या स्वी क सकल स, विरु स म उान सा, संप्राम

धर्मीयोरुल्लन, निरा गहयाव र्दुस्वी ज नत्य का मया नंछा, वन्द्य स नंज दीक
 याहन, विवन पुता सती धर्मा, धर्म पाया क काव, स कायायाव, जन नंजय
 उ, ही वं स पायन मायिस, मनुष्य या क उवा मग यायि दयू, विनाय, गुरु व
 दुर्ग, धर्म क न थ, कय वी ग दा न, धर्म वी ग, न थ माय क व, सु या उ व द
 गन मोय क व, न ग न थ दान समर्क क दून पायाव, वं स पायन उ, का
 याहन वन्द्य स वी ग ता न ह वरि वी ग सा क वी कीर्न, पूर्व स व का स, पूर्व
 द क पुजावनि, धर्म पूर्ण वृ य की ७० नृ सिन्धादि न कृ ग, नीय क स क २१ व द
 स न क या दान विद्या, वन्द्य मा स्य त व, धवनासन, वन्द्य मा स दाने, सु वी स का
 किन, स का कि सी व मा स, नि न दिन, सावन मास, न कृ ग मा स दय क व क स
 १० कृ पति ल दा दि १

गदापत्र

फी यानामन नरु नमाम २१ धक न्यासमस्तु सुन्दरी यौवन बाल मृगीनय
 न वृषवती ललकलायुका धनं सुखं सुवृषवती मोहिनी अने वन्दु स
 धसके अति को निशर्व पवेहद यथ जीवथ कुरु वृत्त म न सति न वरुणी
 फीली वन्दु सवा नावसे दाव वरुवि नीयवृक्ष नेक विरु या दाव धाव
 पाविष्ठ पिता कर्कया के के अ समस्त विस्म हयाव अने क इ ४४ व अ वस्तु
 तनी आवया विना या के वरुव धर्व काय धर्क इ ४४ व लो कन पीठ वया व ध
 व ही पिता द रुस कुल पो ल सी अ वनि वन्दु सके नीय क सस्त विस्म ह का के के
 के के गाल न पाल के के आद ग विस्म ह न ले आव अच नि वरु नाव मोहिनी वास
 गया दावे सदाव वरु म न सति वरु द ह रान आव या ज वनि वरु स के वरु न

वन्दु मानस का विनति अग्नि न्यादि अ आरु रु न र्वन जीव वा कुल या ग
 सा स्त्राय दयु धर्क का यावे वन्दु सी धर्क उने र्वन ज या व द रु उ ला द
 वा सवस्व नि स ग म पला स नी ध स मान या ने दाव अ आ वा ग मी या व पूरु व
 न्द शयु लो क न रु को न वरु व रु म न सति व निव धर्क के दाव अ व र व न
 सय या य माल आवन लि या छ कृ प नि य दा दि बाल छि वृ छि कुरु
 पुनि य दा नि स रु य शयु माय श को म रु गो मी स म स्त कुल्य क रु
 र्वन माल धर्क व र स उ तो ज न म धर्क न वन्दु स क य वा न दा नी धर्क द रु
 सी आद ग विस्म ह दाव दे वा दि वन्दु दा व व न द ष नू मा वा सी को कृ मा न या
 दाव या वि मा या व ला क न रु को द सति र्वन धा ठ ग क ला स पूरु वन्दु

[illegible]

१ नमस्तु
७५

१ नमस्तु ७५	2962	
----------------	------	--

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वधिनस्तथा ॥ हंसस्य कुरु विद्यामि गच्छुः कुरु मन्त्रं पृष्टुः कुरु ॥ मं हंसस्य कुरु विद्यामि गच्छुः कुरु मन्त्रं पृष्टुः कुरु ॥
 स्मिन् सर्वे ॥ कुरु मन्त्रं पृष्टुः कुरु ॥ मं हंसस्य कुरु विद्यामि गच्छुः कुरु मन्त्रं पृष्टुः कुरु ॥
 कुरु मन्त्रं पृष्टुः कुरु ॥ मं हंसस्य कुरु विद्यामि गच्छुः कुरु मन्त्रं पृष्टुः कुरु ॥
 इः स्वस्त्यस्तु ॥ वायुनः ॥ यूनः ॥
 ॐ यूनः ॥ वायुनः ॥ यूनः ॥
 या ॥ वायुनः ॥ यूनः ॥
 कुरु मन्त्रं पृष्टुः कुरु ॥ मं हंसस्य कुरु विद्यामि गच्छुः कुरु मन्त्रं पृष्टुः कुरु ॥
 मा ॥ वायुनः ॥ यूनः ॥
 नार्थं योना ॥ वायुनः ॥ यूनः ॥

